

प्रेमक,

कुँवर सिंह
अपर साचिव
उत्तरांचल शारान

सेवा में

मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 12 मई, 2006

विषय राज्य सैक्टर के अन्तर्गत हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन हेतु वर्ष
2006-07 में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या 5753/ धनारंजन
/2005-06 दिनांक 27.02.06 एवं पत्र संख्या 490/है0प0 अधि/2006-07
दिनांक 02 मई, 2006 के सन्दर्भ में के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश
हुआ है कि वर्तमान में पेयजल की तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत वित्तीय
वर्ष 2006-07 में निम्नलिखित जनपदवार विवरणानुसार 1150 हैण्डपम्पों के
अधिष्ठापन हेतु रु0 2239.20 लाख (रु0 बाइस करोड़ उन्तालीस लाख बीस
हजार मात्र) की कार्ययोजना पर अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष
2006-07 में रु0 800.00 लाख (रु0 आठ करोड़ मात्र) की धनराशि व्यय हेतु
आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।
(धनराशि रु0 लाख में)

क्र०स०	जनपद	अगम्यरत क्षेत्रों हेतु प्रस्तावित हैण्डपम्पों की संख्या	अनुमानित लागत (सेन्टेज सहित)	स्वीकृत धनराशि
1	पौड़ी	200	394.31	140.00
2	धमोली	100	197.16	70.00
3	रूढ़प्रयाग	75	147.87	50.00
4	टिहरी	125	246.44	85.00
5	उत्तकाशी	100	197.16	70.00
6	योग गढ़वाल	600	1182.94	415.00
7	नैनीताल	150	267.63	105.00
8	अल्मोड़ा	200	394.31	140.00
9	पिथौरागढ़	100	197.16	70.00
10	दमोदपुर	50	98.58	35.00
	बागेश्वर	50	98.58	35.00
	योग कुमायू	550	1056.26	385.00
	कुल योग	1150	2239.20	800.00

2- प्रस्ताव-1 में स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल जनपद देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही तत्काल आहरित की जायेगी। धनराशि का आहरण पूर्व स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त ही किया जायेगा तथा आहरण के तुरन्त बाद बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध कराई जायेगी।

3- धनराशि आहरण के उपरान्त शीर्षप्राथमिकता के आधार पर सम्बन्धित जनपदों को अवमुक्त करते हुए इसकी सूचना दिनांक 31 मई, 2006 तक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।

4- हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन के सम्बंध में शासनादेश संख्या 3093/उन्तीरा/05-2(50पे0)/2004 दिनांक 18 जनवरी, 2005 एवं शासनादेश संख्या 1016/उन्तीरा/05-2-पे0/2005, दिनांक 15 अप्रैल, 2005 द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। (सुलग सन्दर्भ हेतु छायाप्रतियाँ संलग्न)

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उक्त तिथि तक उपलब्ध करा दिया जायेगा। कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं धनराशि के उपयोग का विवरण मासिक रूप से शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिन मदों हेतु अवमुक्त की जा रही है, उन्ही मदों में व्यय की जाय एक मद की राशि दूसरी मद में कदापि व्यय न की जाय।

7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

8- स्वीकृत कार्यों की लागत के सापेक्ष सेटेंज चार्ज नियमानुसार लिया जायेगा जो कि किसी भी दशा में 12.50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

7- स्वीकृत हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन ऐसे स्थानों पर किया जायेगा जो क्षेत्र वास्तव में अभावग्रस्त है तथा इसका लाभ अधिक से अधिक जनसंख्या को प्राप्त हो सके।

9- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या 13 के अन्तर्गत लेखा शीपक 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत- 101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-91-हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन-20-साहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

10 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0 58/XXVII-(2)/2006 दिनांक 12 मई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त

गवदीय

(कुँवर सिंह)

अपर सचिव

कगश-3

१११

संख्या— (1)/उन्तीरा/०६-२(२७००) २००६, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून ।
- 2— प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून ।
- 3— मुख्य अभियन्ता, उत्तरांचल पेयजल निगम, पौड़ी/नैनीताल
- 4— मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमाँगू मण्डल ।
- 5— जिलाधिकारी, देहरादून एवं सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी ।
- 6— महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान, पौड़ी/नैनीताल ।
- 7— धरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून
- 8— निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री
- 9— वित्त अनुभाग-३/वित्त बजट रोल/नियोजन प्रकोष्ठ ।
- ✓ 10— निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।

आज्ञा से

(नवीन सिंह तडागी)

✓ उप सचिव